

कर्मभूमि स्त्री. (तत्.) 1. कर्म करने का स्थान 2. धर्म-शास्त्रों के अनुसार निर्दिष्ट उत्तम कार्यों के लिए उचित भूमि, यथा-"भारतभूमि हम भारतीयों की कर्मभूमि है।

कर्मभोग पुं. (तत्.) पहले किए (कृत कर्म) गए कर्मों के फल का भोग।

कर्मयोग पुं. (तत्.) 1. चित्त की शुद्धि के लिए किया गया शास्त्र सम्मत कर्म। 2. सफलता और असफलता के अवसर में समान भाव रखते हुए किया गया कर्तव्य पालन, मात्र कर्तव्य समझकर कार्य करने की भावना, निष्काम-भाव से कर्म करने का साधन-मार्ग 3. 'गीता' के तीसरे अध्याय का नाम।

कर्मयोगी वि. (तत्.) 1. निष्काम भाव से सभी कर्मों का कर्ता 2. कर्मयोग का साधक या अनुयायी 2. पुं. निष्काम भाव से कार्यों को करने वाला व्यक्ति 3. कर्मयोग का साधक योगी।

कर्म-रेखा स्त्री. (तत्.) 1. कर्म या भाग्य का लेखा 2. भाग्य रेखा (हस्त या सामुद्रिक शास्त्र सम्मत)।

कर्मवश्यता स्त्री. (तत्.) कर्म की अधीनता, कर्म के अनुसार या अधीन होने का भाव।

कर्मवाच्य स्त्री. (तत्.) (व्या.) ऐसी वाक्य-रचना जिसमें कर्म का प्रयोग कर्ता की जगह होता हो तथा कर्म के अनुसार क्रिया भी प्रयुक्त होती हो।

कर्मवाद पुं. (तत्.) "कर्म का फल अवश्य भोगना होता है" इस भाव पर आधारित एक दार्शनिक सिद्धांत 2. मीमांसादर्शन।

कर्मवादी पुं. (तत्.) 1. मीमांसा दर्शन का अनुयायी, कर्मवाद का अनुयायी व्यक्ति या विद्वान 2. कर्मवाद का पालन या उसमें विश्वास करने वाला व्यक्ति, कर्मकांडी व्यक्ति।

कर्मवान वि. (तत्.) 1. कर्म या काम में तत्पर रहने वाला, कर्मठ, कर्मण्य, कर्मशील 2. प्रशंसा योग्य कार्य करने वाला।

कर्मविधि स्त्री. (तत्.) 1. काम करने की विधि या तरीका 2. काम का नियम।

कर्म-विपर्यय पुं. (तत्.) 1. कर्मों का उलटफेर 2. कर्म-व्यतिक्रम।

कर्म-विपाक पुं. (तत्.) पूर्व जन्मों में किए हुए कर्म या कर्मों का फल।

कर्मवीर वि. (तत्.) 1. साहस के कार्यों को उत्साहपूर्वक करने वाला। 2. बाधाओं की परवाह न करके उत्साहपूर्वक कर्तव्य-पालन करने वाला, कर्मठ 3. प्रशंसनीय कार्यों का कर्ता।

कर्मशाला स्त्री. (तत्.) यंत्रों आदि के निर्माण या मरम्मत करने का स्थान या प्रतिष्ठान, कारखाना, वर्कशाप।

कर्मशील वि. (तत्.) 1. कर्म करने वाला, कर्तव्य-निष्ठ, कर्म-तत्पर 2. उद्योगी, उद्यमी 3. मेहनती, परिश्रमी।

कर्मशूर वि. (तत्.) 'कर्मवीर', काम करने में शूरो सी प्रवृत्ति वाला।

कर्मसंकुल वि. (तत्.) 1. कर्मलीन, कर्ममय, कर्मों में व्यस्त, जो सदैव कर्मों की योजनाएँ रचता तथा कार्यरत रहता हो उदा. वह पूर्णतः कर्मसंकुल परिवार है।

कर्मसंन्यास पुं. (तत्.) धर्मशास्त्र सम्मत कर्मकांड का विधिपूर्वक त्याग (विरक्ति) 2. वह व्रत या सिद्धांत जिसमें सब प्रकार के नित्य, नैमित्तिक आदि कर्म तो किए जाते हैं पर उनके फल की कामना नहीं की जाती।

कर्म-संन्यासी कर्म-संन्यास लेने या करने वाला 2. कर्म-संन्यास के सिद्धांतों के अनुसार जीवन बिताने वाला व्यक्ति।

कर्म-साक्षी पुं. (तत्.) 1. प्राणियों के शुभ तथा अशुभ कर्म या कर्मों के प्रत्यक्षदर्शी नौ-गवाह, सूर्य, चंद्र, यम, पृथ्वी, काल, अग्नि, जल, वायु और आकाश 2. वि. कर्म को देखने वाला व्यक्ति, गवाह।

कर्म-स्थान पुं. (तत्.) कार्य-स्थल, कार्यालय, कार्यशाला कारखाना ज्यो. जन्मकुंडली में लग्न से दशम भाव।